

Hindi Murli Quiz 12-03-2015

Quiz to help revise the murli. The questions are based on TODAY'S murli
[Click here to access the mp3 file of the 20 min murli & also old quizzes](#)

Q.1) “जो तुम्हारे देवता घराने की आत्मार्यें होंगी, उन्हें ज्ञान की सब बातें सुनते ही जच जायेंगी, वह मूर्झेंगे नहीं। जितना ज्यादा भक्ति की होगी उतना जास्ती सुनने की कोशिश करेंगे। तो बच्चों को नब्ज देखकर सेवा करनी चाहिए।”

- A. ☐ True / सही
B. ☐ False / गलत

Q.2) तुम हो सच्चे- सच्चे पैगम्बर और मैसंजर। वह -----तो कुछ भी नहीं करते। न वह गुरु हैं। गुरु कहते हैं, परन्तु वह कोई सद्गति दाता थोड़े ही हैं। गुरु वह जो सद्गति दें। दु.ख की दुनिया से शान्तिधाम ले जाएँ। क्राइस्ट आदि गुरु नहीं, वह तो सिर्फ -----हैं। वह तो सिर्फ अपना धर्म स्थापन कर पुनर्जन्म लेते रहेंगे।
(निम्नलिखित विकल्पों में से सबसे सटीक एक उत्तर से रिक्त स्थान भरें)

- A. ☐ धर्म-स्थापक
B. ☐ गाइड
C. ☐ लिब्रेटर
D. ☐ सन्यासी

Q.3) वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं -----

	Choice		Match
A	बन्धनमुक्त की निशानी है -	1	सदा योगयुक्त।
B	योगयुक्त बच्चे,	2	खेल की रीति से हँसकर खेलो तो कभी छोटी-छोटी बातों में थकेंगे नहीं।
C	लौकिक जिम्मेवारी तो खेल है,	3	क्या, क्यों का प्रश्न उठता है।
D	अगर बन्धन समझते हो तो तंग होते हो,	4	जिम्मेवारियों के बन्धन, मन का बन्धन वा माया के बन्धन से मुक्त होंगे।
E	जिम्मेवार बाप है आप सिर्फ निमित्त हो,	5	भान और अभिमान की समाप्ति।
F	करनकरावनहार की स्मृति अर्थात्	6	इस स्मृति से बन्धनमुक्त बनो तो योगयुक्त बन जायेंगे।

Q.4) तुम जानते हो 84 जन्म सब तो नहीं लेते। तुम बच्चे यह तो समझते हो कि जिसने बहुत भक्ति की होगी शुरु से लेकर, तो उसको फल भी इतना ही जल्दी और अच्छा मिलेगा। थोड़ी भक्ति की होगी और देरी से की होगी तो फल भी इतना थोड़ा और देरी से मिलेगा। जो 84 जन्म लेने वाला होगा, शुरु से भक्ति की होगी वह झट समझ जायेगा - बराबर आदि सनातन देवी-देवता धर्म था। रूचि से सुनने लग पड़ेंगे। अगर इतना बुद्धि मे जचता नहीं है अथवा कम समझता है तो समझो यह देरी से आने वाला है। भक्ति भी देरी से की होगी। तो सारा मदार भक्ति पर है।

- A. ☐ True / सही
B. ☐ False / गलत

Q.5) वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---

	Choice		Match
A	बाप कल्प-कल्प, कल्प के सगमयुगे आते हैं,	1	इसको कहा जाता है कल्याणकारी सगमयुग।
B	संगमयुग के अलाबा और कोई युग कल्याणकारी नहीं है,	2	सतयुग और त्रेता के संगम का कोई महत्व नहीं है।
C	तुम समझते हो तुमको सुख-शान्ति दोनों मिलते हैं,	3	जहाँ शान्ति है वहाँ सुख है।
D	आत्मार्यें अकाल मूर्त हैं अर्थात् जिसको काल नहीं खाता,	4	वह है ही अमरलोक, यह है मृत्युलोक।
E	सतयुग मे तुमको काल नहीं खायेगा,अकाले मृत्यु कभी नहीं होगी,	5	आत्मा का यह शरीर है रथ, इस पर वह आत्मा विराजमान है।
F	तुम सब जन्म-जन्मान्तर के आशिक हो मुझ माशुक के,	6	वह आशिक-माशूक तो एक जन्म के लिए होते हैं।

- Q.6) गुरु के पास जाते हैं, हमको बच्चा दो। बच्चा मिल गया तो बहुत खुशी होगी। बच्चा नहीं हुआ तो कहते ईश्वर की भावी।-----को तो वह समझते ही नहीं। शास्त्रों में भी-----का उल्लेख नहीं है।-----के आदि-मध्य-अन्त का पता होना चाहिए। बाप कहते हैं मैं 5 - 5 हजार वर्ष बाद आता हूँ। यह 4 युग बिल्कुल इक्वल हैं। स्वास्तिका का भी महत्व है ना। खाता में स्वास्तिका बनाते हैं। यह भी खाता है ना। हमारा फायदा कैसे होता है, फिर घाटा कैसे पड़ता है। घाटा पड़ते-पड़ते अभी पूरा घाटा पड़ गया है।
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

- A. ☐ ड्रामा
B. ☐ भावी
C. ☐ फायदा
D. ☐ घाटा

- Q.7) "बाप खुद बैठ बताते हैं-- मैंने कहा था मैं साधारण बूढ़े तन मे आता हूँ, आकर तुमको पढ़ाता हूँ। यह (ब्रह्मा) भी सुनते हैं। यह भी स्टूडेंट है। यह अपने को और कुछ नहीं कहते। भल इसने विनाश देखा परन्तु समझा कुछ भी नहीं। आहिस्ते- आहिस्ते समझते गये। जैसे तुम समझते जाते हो। बाप तुमको समझाते हैं। बीच में यह भी समझते जाते हैं। पढ़ते रहते हैं।"
- A. ☐ True
B. ☐ False

- Q.8) वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---

	Choice		Match
A	बाप का कोई गुरु नहीं था,	1	अगर होता तो उसके और भी शिष्य होते ना।
B	अभी तुम बच्चे जानते हो बाप इसमे आकर प्रवेश करते हैं,	2	बाकी हाँ, इतना है कि सतयुग मे कोई दुःख नहीं होता।
C	बाप अलग है, दादा अलग है,	3	बाप शिव है, दादा ब्रह्मा है।
D	बाप कहते हैं नम्बरवन भक्त ब्रह्मा है,	4	84 जन्म भी इसने लिए हैं, सावरा और गोरा भी इनको कहते हैं।
E	अगर ज्ञान अच्छी रीति सुनते और समझते हैं तो समझो यह नजदीक वाला है,	5	इसलिए कहा जाता है बापदादा।
F	राजधानी में कोई ऊँच राजाई पद पाते हैं, कोई प्रजा में नौकर चाकर बनते हैं,	6	बुद्धि मे नहीं बैठता है तो देरी से आने वाला होगा। सुनाने के समय नब्ज देखी जाती है।

- Q.9) आज की धारणा पर आधारित सभी पॉइंट्स चयन करें --

- A. ☐ .इस ड्रामा को यथार्थ रीति समझ माया के बन्धनों से मुक्त होना है।
B. ☐ स्वयं को अकालमूर्त आत्मा समझ बाप को याद कर पावन बनना है।
C. ☐ सच्चा-सच्चा पैगम्बर और मैसेन्जर बन सबको शान्तिधाम सुखधाम का रास्ता बताना है।
D. ☐ .इस कल्याणकारी सगमयुग पर सभी आत्माओं का कल्याण करना है।
E. ☐ कमजोर आत्माओं को शक्तियों का सकाश देना है।

- Q.10) "जब कोई शरीर छोड़ता है तो मुख से तो कहते हैं - फलाना स्वर्ग पधारा। लेकिन अन्दर दुःखी होते रहते हैं। इसमें तो और ही खुश होना चाहिए। फिर उनकी आत्मा को नर्क मे क्यो बुलाते हो? कुछ भी समझ नहीं है। अभी बाप आकर यह सब बातें समझाते हैं।"
- A. ☐ True
B. ☐ False

- Q.11) क्विज को और बेहतर बना ने के लिए कृपया अपने सुझाव दें।